Role of Brahmins in Last Phase of Confluence Age

संगमयुग के अंतिम चरण में हम ब्राह्मणो की भूमिका

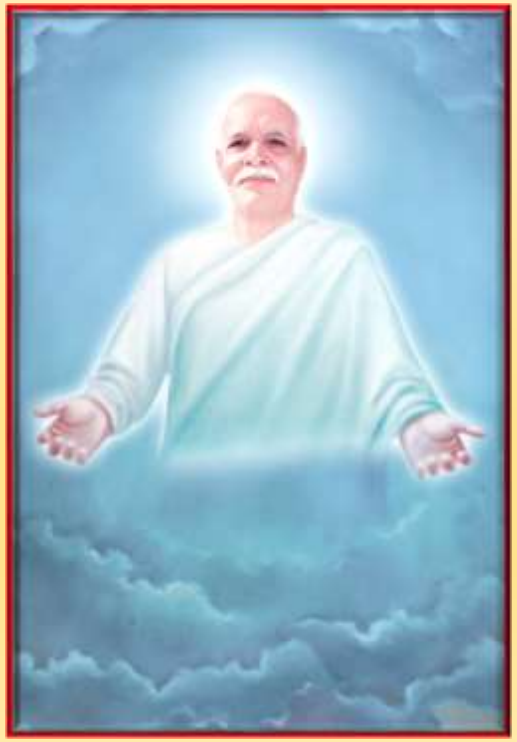

ब्रह्माकुमारीझ

प्रस्तुति

ब्र° कु° प्रफुल्लचंद्र

संगमयुग का अंतिम समय

- शिवबाबा का ब्रह्मा के तन मे प्रथम अवतरण (1936) से ले कर प्रथम लक्ष्मी-नारायण के राज्याभिषेक तक के समय को बाबा ने संगम युग बताया है। जिसकी अवधि मुरलीओं में बाबाने 100 से 125 साल की बताई है।
- कई मुरलीओं मे बाबा ने ब्रह्मा की साकारी एवं आकारी भूमिका की आयु 100 साल की बताई है। इस दृष्टि से 2036 तक ब्रह्मा की भूमिका समाप्त होने की और श्री कृष्ण के और अन्य देवी देवताओं के जन्म की पूरी संभावना है। तब तक विनाश भी हो चुका होगा।
- हमारे लिए अब बाप समान सम्पूर्ण बनने का पुरुषार्थ करने के लिए एवं बाबा की बेहद की सेवा के लिए 8-10 साल से ज्यादा समय नहीं बचा है।

बाबा की सेवा का वर्तमान विस्तार और भविष्य की सेवा का चित्र

- वर्तमान समय बाबा के धारणा युक्त पुरुषार्थी बच्चों की संख्या करीब 10 लाख है। कोर्स किया हो और संबंध संपर्क में रहने वाली आत्माऑ की संख्या करीब 10 लाख है। इसके अलावा शिवानी बहन जैस बाबा के विशेष बच्चो को सुनने वालो की संख्या 20-25 लाख हो सकती है। विश्व के करीब 165 देशों में संस्था के करीब 8500 सेवाकेन्द्र द्वारा सेवा हो रही है।
- हमे 33 करोड़ को शिवबाबा एवं ब्रह्माबाबा में निश्चय कराना है। विश्व की हर डायनेस्टी की आत्माओं को बाबा का संदेश दे कर परमात्मा एवं अपने अपने प्रजापिता (धर्म स्थापक) मेँ निश्चय कराना है। हर आत्मा को अपनी अपनी डायनेस्टी मेँ उंच पद प्राप्त करने के लिए प्रेरित करना है।

सेवा किस प्रकार होगी

वाणी एवं साहित्य द्वारा सेवा

सोसियल मीडिया द्वारा सेवा

चहेरे, चलन, चरित्र एवं कर्म द्वारा सेवा

संकल्प, वृत्ती, वाइब्रेशन, शुभभावना द्वारा मनसा सेवा

समस्या के समाधान के रूप में सेवा होगी

शारीरिक समस्याएं: हृदयरोग, डायाबिटीस, ब्लडप्रेसर, केन्सर, अस्थमा, अन्य कई रोग

मानसिक समस्याएं: तनाव (Stress), व्यग्रता (Anxiety), हताशा (Frustation), निरशा (Depression), भय (Phobias), चिंता (Worries)

संबन्धों में टकराव की समस्याएँ: पारिवारिक संबंधो, समाजिक संबंधों, कार्य क्षेत्र संबंधों

अन्य समस्याएं: सामाजिक, आर्थिक, कानूनी, वैश्विक, प्राकृतिक

किन किन विषयों की तालिम ले कर हमे कौशल प्राप्त करना होगा

ज्ञान योग के कोर्स कराना : ज्ञान का बेसिक साप्ताहिक कोर्स, राजयोगा बेसिक कोर्स, ज्ञान का एडवांस कोर्स, प्रेक्टिकल मेडिटेशन

मुरली क्लास कराना: मुरली पढ़ने की कला, मुरली क्लास कराने वाले की मर्यादाएँ और धारणाएँ, प्रेक्टिकल एवं मूल्यांकन....

विविध शिबीर कराना एवं प्रवचन करना: राजयोग शिबीर, मृत्यु शिबीर, अलौकिक सत्यनारायण कथा, विविध त्यौहारों का आध्यात्मिक रहस्य.....

विश्व के मुख्य धर्मो की जानकारी: हर धर्म का इतिहास, धर्मस्थापक का जीवन चरित्र, धर्म के तत्वज्ञान के मुख्य बिन्दु, धर्म की आचार संहिता.....

समस्या के समाधान के संदर्भ मे विविध कोर्स की तालिम:
सर्वांगी स्वास्थ्य, तनाव मुक्त जीवन, क्रोध मुक्त जीवन, अहंकार प्रबंधन, मानसिक शक्तियों का विकास, व्यक्तित्व विकास, मूल्य एवं मूल्य शिक्षण, संगठन भावना का निर्माण, पॉज़िटिव थिंकिंग, ध्येय निर्धारण, सफलता की चावी.....

यज्ञ के विषय में: यज्ञ का इतिहास, बाबा की जीवन कहानी, यज्ञ की मेनेजमेंट प्रणाली, विविध भगीनी संस्थाओं का परिचय, विविध विंग्ज का परिचय और प्रवृत्ति, सेवाकेन्द्र संचालन एवं निभाव....

स्व उन्नति एवं पुरुषार्थ विषयक: योगभाठठी क्लासेस, मर्यादा एवं धारणा पर क्लासेस, मनसा सेवा, संगठन में योगाभ्यास, प्रेक्टिकल गाइडेड मेडिटेशन....

ॐ शांति

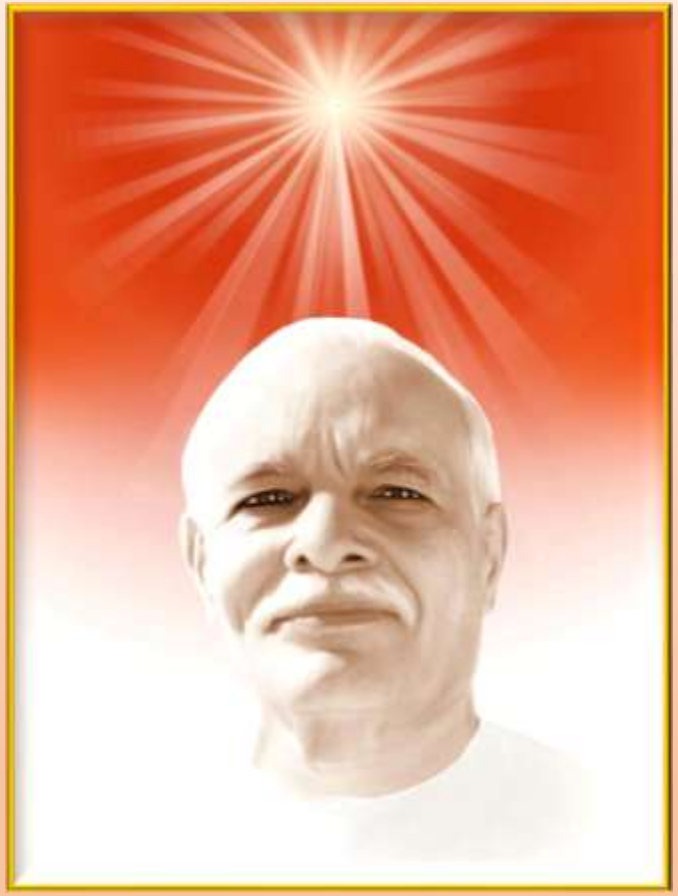

धन्यवाद